अनुक्रमणिका

(1) राजस्थान:- अवस्थिति, विस्तार तथा भौतिक विभाग........ 2
(2) नदियाँ व झीलें........33
(3) जलवायु की विशेषताएँ........ 63
(4) प्राकृतिक वनस्पति,जैव विविधता तथा संरक्षण........78
(5) मृदा........ 106
(6) कृषि........ 114
(7) पशुधन........ 126
(8) सिंचाई........139
(9) जनसंख्या -वृद्धि, घनत्व, साक्षरता, लिंगानुपात........166
(10) शहरीकरण........181
(11) जनजाति........ 189
(12) खनिज - धात्विक व अधात्विक........198
(13) पर्यटन........222

Scane this QR code to attempt topicwise PYQs

(1) राजस्थान:- अवस्थिति, विस्तार तथा भौतिक विभाग

1. राजस्थान की उत्पत्ति और स्थिति के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:
   (A) राजस्थान का उत्तर-पश्चिमी मरुस्थल व पूर्वी मैदान टेथिस सागर के अवशेष हैं।
   (B) राजस्थान की अरावली पर्वतमाला व हाड़ौती पठार गोंडवानालैंड के भाग हैं।
   (C) 23°3' उत्तरी अक्षांश कोणा गांव, गंगानगर में व 30°12' उत्तरी अक्षांश बोरकुंड गांव, बांसवाड़ा में स्थित है।
   (D) राजस्थान के अक्षांशीय और देशांतरीय विस्तार का अंतराल क्रमशः 7°09' और 8°47' हैं।

   नीचे दिए गए कूट की सहायता से **सही उत्तर** का चयन करें:
   (1) केवल (A), (B) व (C)
   (2) केवल (B), (C) व (D)
   (3) केवल (A), (C) व (D)
   (4) केवल (A), (B) व (D)
   (5) अनुत्तरित प्रश्न

उत्तर- (4)

व्याख्या:-

(A)✅	राजस्थान का उत्तर-पश्चिमी मरुस्थल व पूर्वी मैदान टेथिस सागर के अवशेष हैं।
(B)✅	राजस्थान की अरावली पर्वतमाला व हाड़ौती पठार गोंडवानालैंड के भाग हैं।
(C)❌	यह ग़लत है। सही तथ्य: 23°03' N बोरकुंडा (बांसवाड़ा) तथा 30°12' N कोणा गांव (श्रीगंगानगर) में स्थित है।
(D)✅	अक्षांशीय विस्तार 7°09' तथा देशांतरीय विस्तार 8°47' है।

अतिरिक्त जानकारी

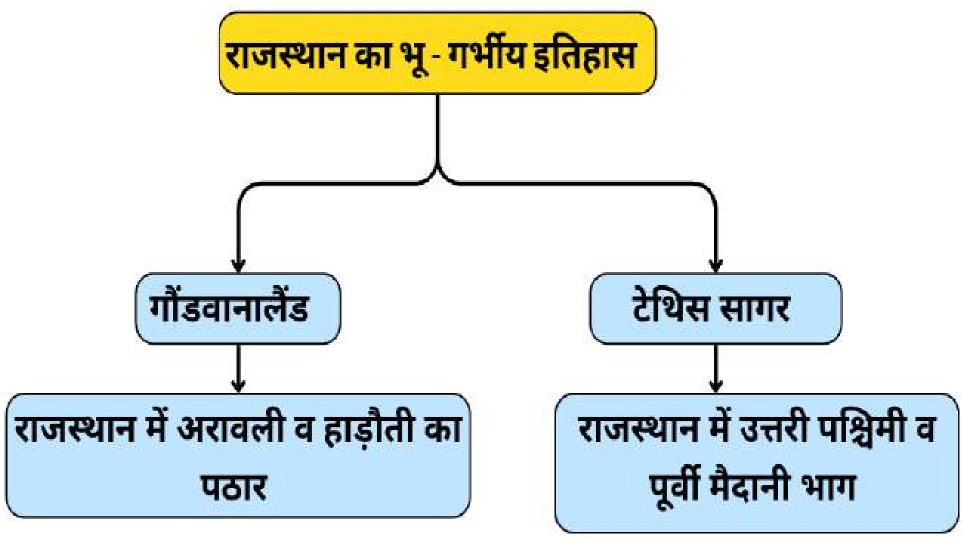

❖ राजस्थान के अक्षांशीय और देशांतरीय अंतराल **क्रमशः 7°09' और 8°47' है**

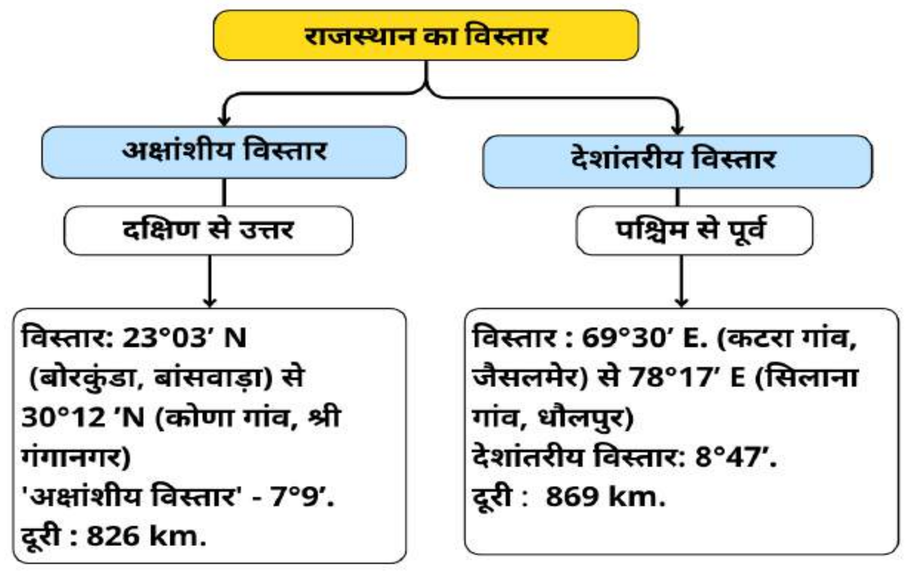

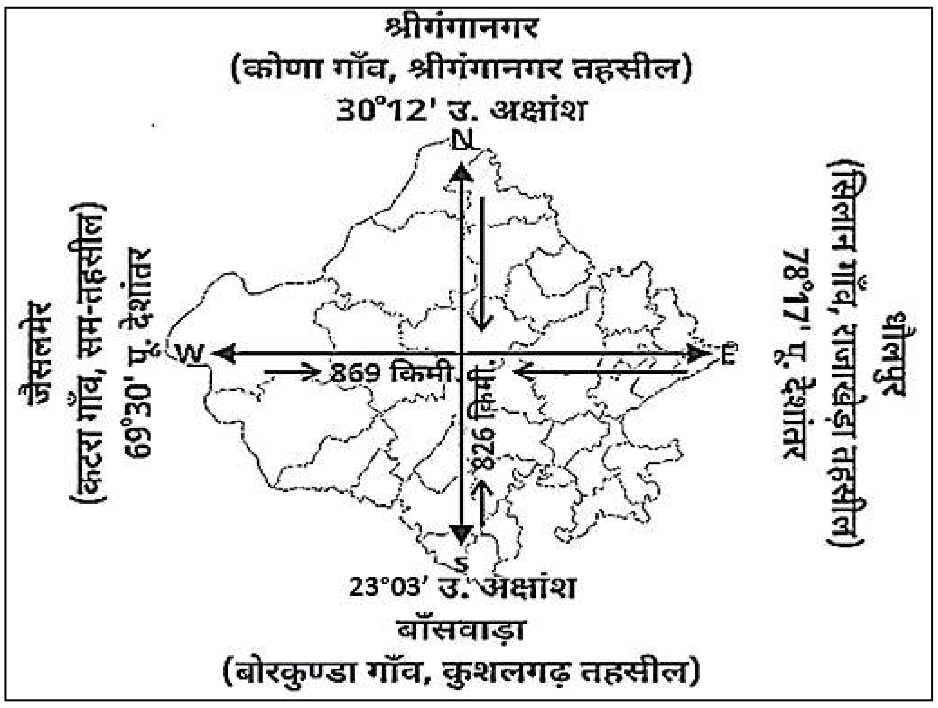

2. **राजस्थान** की अंतर्राष्ट्रीय सीमा के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार करें:
   (A) राजस्थान और पाकिस्तान के बीच 1070 किलोमीटर लंबी अंतर्राष्ट्रीय सीमा स्थित है,जिसे रैडक्लिफ के रूप में जाना जाता है।
   (B) इस सीमा का प्रारंभिक बिंदु हिंदुमलकोट (श्रीगंगानगर) और अंतिम बिंदु शाहगढ़ या बाखासर (बाड़मेर) है ।
   (C) राजस्थान के केवल तीन जिले पाकिस्तान के साथ अपनी सीमाएं साझा करते हैं।

   नीचे दिए गए कूट से सही उत्तर का चयन करें।
   (1) केवल (A) व (B) सही है
   (2) केवल (A), (B), (C) सही है
   (3) केवल (A) व (C) सही है
   (4) केवल (B) व (C) सही है
   (5) अनुत्तरित प्रश्न

उत्तर - (1)

व्याख्या:-

(2) नदियाँ व झीलें

1. नदी और उसके उद्गम स्थल के संबंध में कौन सा सही है?

(नदी)		(उद्गम स्थल)
(A) कांतली	-	(i) खंडेला पहाड़ियाँ
(B) साबी	-	(ii) सेवर पहाड़ियाँ
(C) कांकणी	-	(iii) कोटडी गाँव
(D) रूपारेल	-	(iv) बैराठ पहाड़ियाँ

कूट:-

(1) केवल (A) (B) और (C)
(2) सभी सही हैं
(3) केवल (C) और (D)
(4) केवल (B)
(5) अनुत्तरित प्रश्न

उत्तर (1)

व्याख्या:

नदी	उद्गम स्थल
कांतली नदी	खंडेला पहाड़ियाँ (सीकर)
साबी (साहिबी) नदी	सेवर पहाड़ी (जयपुर/कोटपुतली बहरोड़)
कांकणी नदी	कोटडी गांव (जैसलमेर)
रूपारेल नदी	उदयनाथ पहाड़ियों (थानागाज़ी, अलवर)

अतिरिक्त जानकारी

कांतली नदी

❖ खंडेला पहाड़ी (सीकर) से निकलती है और सीकर, झुंझुनू, नीम का थाना से होकर बहती है, झुंझुनू को दो भागों में विभाजित करती है
❖ लंबाई:- 100 किमी, सहायक नदियाँ साप, मावत हैं।
❖ यह आंतरिक जल निकासी की सबसे लंबी नदी है जो केवल राजस्थान में बहती है।
❖ झुंझुनूं और चूरू क्षेत्र में कांतली नदी के अपवाह को तोरावती या तंवरावती कहा जाता है।
❖ सभ्यताएँ :-
➢ **गणेशवर सभ्यता**- नीम का थाना (ताम्र युगीन)
➢ **सुनारी सभ्यता- झुंझुनू** (लौह युगीन)

साबी/साहिबी नदी

❖ इसका उद्गम सेवर पहाड़ी (जयपुर/ कोटपुतली बहरोड़) से व संगम हरियाणा के नजबगढ़ झील पटोदी है।
➢ प्रवाह:- जयपुर,कोटपूतली- बहरोड़,अलवर
➢ राजस्थान की एकमात्र नदी जो हरियाणा की ओर बहती है।
➢ **प्राचीन सभ्यता - जोधपुरा सभ्यता (जयपुर)**

कांकणी नदी

❖ **कांकणी** नदी राजस्थान के आंतरिक अपवाह तंत्र की सबसे छोटी नदी है (17 किमी)।
❖ **इसे कांकनेय/**मसुरदी नदी भी कहा जाता है।
❖ **उदगम स्थल - कोटड़ी गाँव** (जैसलमेर) व मिट्ठा खाड़ी में विलुप्त हो जाती है।
❖ यह नदी केवल जैसलमेर में बहती है।
❖ काकनी राजस्थान की सबसे अधिक मार्ग परिवर्तित करने वाली नदी है।
❖ **बुझ झील** - यह जैसलमेर के रूपसी गांव में स्थित एक मीठे पानी की झील है।

रूपारेल नदी

❖ उदयनाथ पहाड़ियों (थानागाजी, अलवर) से उद्गम स्थल और अलवर, भरतपुर, डीग से बहते हुए, यह नदी कुशालपुर गांव (भरतपुर) में समाप्त हो जाती है।
❖ इसे **लासवाड़ी नदी और वराह नदी** के नाम से भी जाना जाता है।
❖ इस पर सिकरी बांध (भरतपुर) का निर्माण किया गया है जो भरतपुर की मोती झील को पानी की आपूर्ति करता है।

2. यदि आप लूनी नदी के उद्गम से अंत तक यात्रा करते हैं, तो आप इसकी निम्नलिखित सहायक नदियों को किस क्रम में देखेंगे?

(A) सुकड़ी
(B) बाँडी
(C) जवाई
(D) गुहिया

नीचे दिए गए कूट का उपयोग करके उत्तर का सही क्रम चुनें-

(1) (B), (D), (C), (A)
(2) (D), (B), (A), (C)
(3) (A), (B), (C), (D)
(4) (A), (C), (D), (B)
(5) अनुत्तरित प्रश्न

उत्तर- (2)

व्याख्या:

❖ **गुहिया** - अजमेर → **बाँडी नदी-** हेमावास/फुलाद (पाली) → **सुकड़ी नदी** - देसुरी नाल (पाली) → **जवाई नदी** - गोरिया गांव (पाली)

अतिरिक्त जानकारी

लूनी नदी की सहायक नदियाँ

❖ **गुहिया** - अजमेर जिले से
❖ **बाँडी नदी:** यह नदी हेमावास/फुलाद (पाली) से निकलती है और जोधपुर के लखर गांव में लूणी नदी से मिलती है।
➢ पाली में **बाँडी** नदी पर हेमावास बांध बना हुआ है।
❖ **सुकड़ी नदी** - देसुरी नाल (पाली) से निकलती है और बालोतरा के समदरी में लूनी नदी से मिलती है।
❖ **जवाई नदी** - यह पाली तहसील के गोरिया गांव से निकलती है। पाली, जालोर और बाड़मेर से बहते हुए बाड़मेर के

(3) जलवायु की विशेषताएँ

1. कोपेन के अनुसार, जिलों का कौन सा समूह **"AW"** जलवायु क्षेत्र के अंतर्गत आता है ?

(A) बांसवाड़ा, डूंगरपुर, प्रतापगढ़
(B) दौसा, जालौर, टोंक
(C) कोटा, झालावाड़, उदयपुर
(D) सीकर, झुंझुनू, पाली

नीचे दिये गये कूट का प्रयोग कर सही उत्तर का चयन कीजिए

(1) (A) व (B)
(2) (C) व (D)
(3) (A) व (C)
(4) (B) व (D)
(5) अनुत्तरित प्रश्न

उत्तर- (3)

व्याख्या:-

समूह	**संक्षिप्त व्याख्या**
(A) ✅	बांसवाड़ा, डूंगरपुर, प्रतापगढ़ जिले Aw (अत्यधिक आर्द्र/सवाना प्रकार) जलवायु क्षेत्र में आते हैं।
(B) ❌	दौसा व टोंक मुख्यतः Cwg, जबकि जालौर BShw में आता है।
(C) ✅	कोटा, झालावाड़, उदयपुर जिलों के कुछ/प्रमुख भाग Aw जलवायु क्षेत्र में सम्मिलित हैं।
(D) ❌	सीकर, झुंझुनू, पाली जिले BShw (अर्द्ध शुष्क) जलवायु क्षेत्र में आते हैं।

अतिरिक्त जानकारी	
प्रकार	**विस्तार**
Aw	बांसवाड़ा, डूंगरपुर, प्रतापगढ़, कोटा (दक्षिणी भाग), माउंट आबू, बारां झालावाड़, चित्तौड़गढ़ के कुछ हिस्से, उदयपुर और सलूम्बर
Cwg	अलवर, खैरथल-तिजारा, भरतपुर, डीग, कोटपूतली-बहरोड़, करौली, धौलपुर, अजमेर, ब्यावर, भीलवाड़ा, बूंदी, चित्तौड़गढ़, दौसा, राजसमंद, टोंक, सवाई-माधोपुर, उदयपुर, जयपुर
BWhw	जैसलमेर, बीकानेर, फलौदी ,चूरू, गंगानगर, हनुमानगढ़
BShw	जोधपुर, पाली, बाड़मेर, बालोतरा, सिरोही, जालौर, नागौर, डीडवाना-कुचामन सीकर, झुंझुनू, चूरू के कुछ हिस्से।

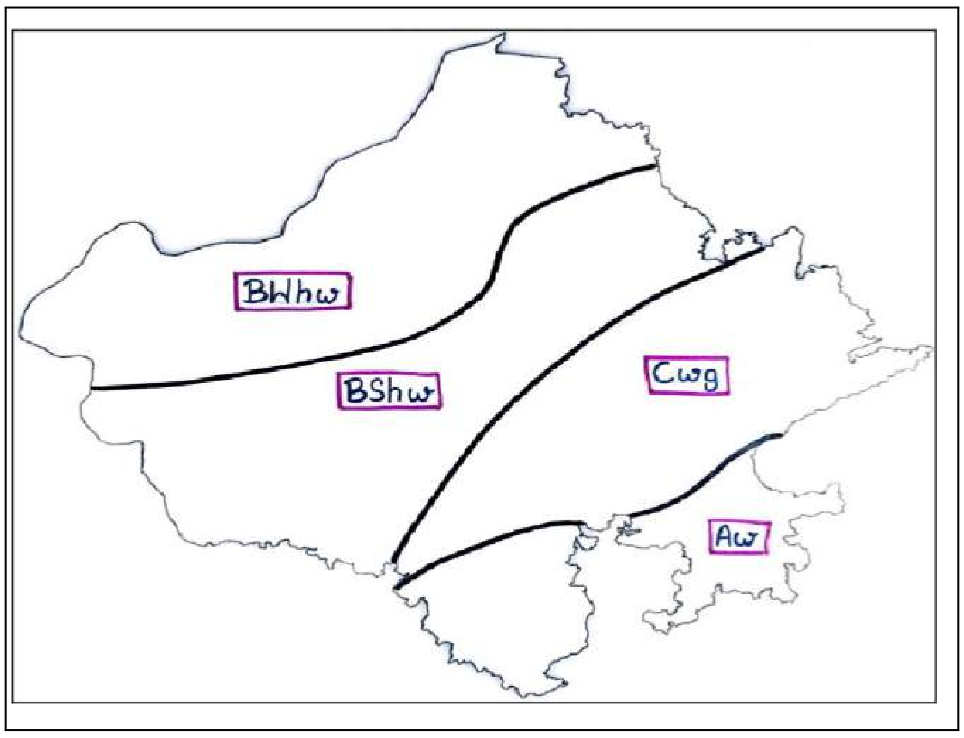

2. 60 सेमी. समवर्षा रेखा राजस्थान के निम्नलिखित में से किन ज़िलों से होकर गुजरती है?

(A) जयपुर
(B) सवाई माधोपुर
(C) राजसमंद
(D) अजमेर

कूट -

(1) केवल (A), (C), (D)
(2) केवल (A) व (B)
(3) केवल (B), (C) व (D)
(4) केवल (A), (B), (C), (D)
(5) अनुत्तरित प्रश्न

उत्तर: (1)

व्याख्या:

जलवायु संबंधी तथ्य	
समवर्षा रेखा:- मानचित्र या चार्ट पर समान वर्षा वाले क्षेत्रों को जोड़ने वाली रेखा।	
60 सेमी समवर्षा रेखा	• उदयपुर, राजसमंद, भीलवाड़ा, अजमेर, जयपुर, कोटपूतली-बहरोड़
10 सेमी समवर्षा रेखा	• जैसलमेर, फलोदी, बीकानेर
25 सेमी समवर्षा रेखा	• 25 सेंटीमीटर का समआयत रेगिस्तान को दो भागों में विभाजित करता है, जो हैं शुष्क और अर्द्ध -शुष्क रेगिस्तान।
30 सेमी समवर्षा रेखा	• बाड़मेर, जोधपुर, नागौर, चूरू, हनुमानगढ़

(4) प्राकृतिक वनस्पति,जैव विविधता तथा संरक्षण

1. राजस्थान के संदर्भ में वन रिपोर्ट 2023-24 के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार करें और नीचे दिए गए कूट की सहायता से सही विकल्प चुनें:
   (A) राज्य में कुल दर्ज वन क्षेत्र 33014 वर्ग किमी है, जो राज्य के भौगोलिक क्षेत्र का 9.64 % है।
   (B) राज्य का कुल वन एवं वृक्ष आवरण 27389.33 वर्ग किमी है, जो कुल भौगोलिक क्षेत्र का 8.0% है।
   (C) राज्य का प्रति व्यक्ति वन एवं वृक्ष आवरण 0.037 हेक्टेयर है।

   कूट:
   (1) केवल (A) व (B)
   (2) केवल (B) व (C)
   (3) (A), (B), व (C)
   (4) उपरोक्त में से कोई नहीं
   (5) अनुत्तरित प्रश्न

उत्तर (3)
व्याख्या:

कथन	संक्षिप्त व्याख्या
(A) ✅	राजस्थान वन रिपोर्ट 2023-24 के अनुसार अभिलेखित वन क्षेत्र 33014 वर्ग किमी (9.64%) है।
(B) ✅	वन एवं वृक्ष आवरण 27,389.33 वर्ग किमी अर्थात राज्य के कुल भौगोलिक क्षेत्र का लगभग 8.0% है।
(C) ✅	रिपोर्ट के अनुसार राजस्थान का प्रति व्यक्ति वन एवं वृक्ष आवरण 0.037 हेक्टेयर है।

अतिरिक्त जानकारी

राजस्थान वन रिपोर्ट-2023-24

इस रिपोर्ट के अनुसार, राजस्थान के कुल क्षेत्रफल का लगभग 9.6% यानी 330,14 वर्ग किलोमीटर क्षेत्र वनों से आच्छादित है।

- ❖ **अभिलेखित वन** -9.64% (33014 वर्ग किमी)
  - ➢ **वृक्ष और वन आवरण**- 8.0% (27389.33 वर्ग किमी) - 394.46 वर्ग किमी की वृद्धि
  - ➢ **वन आवरण-** 4.87% (16654.96 वर्ग किमी) - 83.80 वर्ग किमी की गिरावट
  - ➢ **वृक्ष आवरण**- 3.16% (10841.12 वर्ग किमी) - 478.26 वर्ग किमी की वृद्धि
  - ➢ राज्य का प्रति व्यक्ति वन एवं वृक्ष आवरण 0.037 हेक्टेयर **है**

वन रिपोर्ट - 2025-26 के अनुसार

- **अभिलेखित वन** - 9.65% (33020.32 वर्ग किमी)
- **कुल वृक्ष और वन आवरण**- 8.0% (27389.33 वर्ग किमी) - 394.46 वर्ग किमी की वृद्धि
- **वन आवरण-** 4.84% (16548.21) - 83.80 वर्ग किमी की गिरावट
- **वृक्ष आवरण**- 3.16% (10841.12 वर्ग किमी) - 478.26 वर्ग किमी की वृद्धि

2. वन रिपोर्ट 2023-24 के अनुसार राजस्थान के वन क्षेत्र के संबंध में कौन सा/से कथन **गलत** है।
   (A) आरक्षित वन (RF) का क्षेत्रफल 12176 वर्ग किलोमीटर है, जो 37.05 % क्षेत्रफल को कवर करता है।
   (B) संरक्षित वन (PF) 18,588 वर्ग किलोमीटर है, जो 56.55% को कवर करता है
   (C) अवर्गीकृत वन 2105 वर्ग किलोमीटर है जो 6.40% क्षेत्रफल को कवर करता है

   कूट:
   (1) केवल (C)
   (2) (A) और (B) दोनों
   (3) (B) और (C) दोनों
   (4) उपरोक्त में से कोई नहीं
   (5) अनुत्तरित प्रश्न

उत्तर (4)
व्याख्या:

कथन	संक्षिप्त व्याख्या
(A) ✅	वन रिपोर्ट 2023-24 के अनुसार आरक्षित वन का क्षेत्रफल लगभग 12,176 वर्ग किमी (लगभग 37.05 % है।
(B) ✅	संरक्षित वन का क्षेत्रफल लगभग 18,605 वर्ग किमी (56.51%) है।
(C) ✅	अवर्गीकृत वन का क्षेत्रफल लगभग 2,138 वर्ग किमी (6.50%) है।

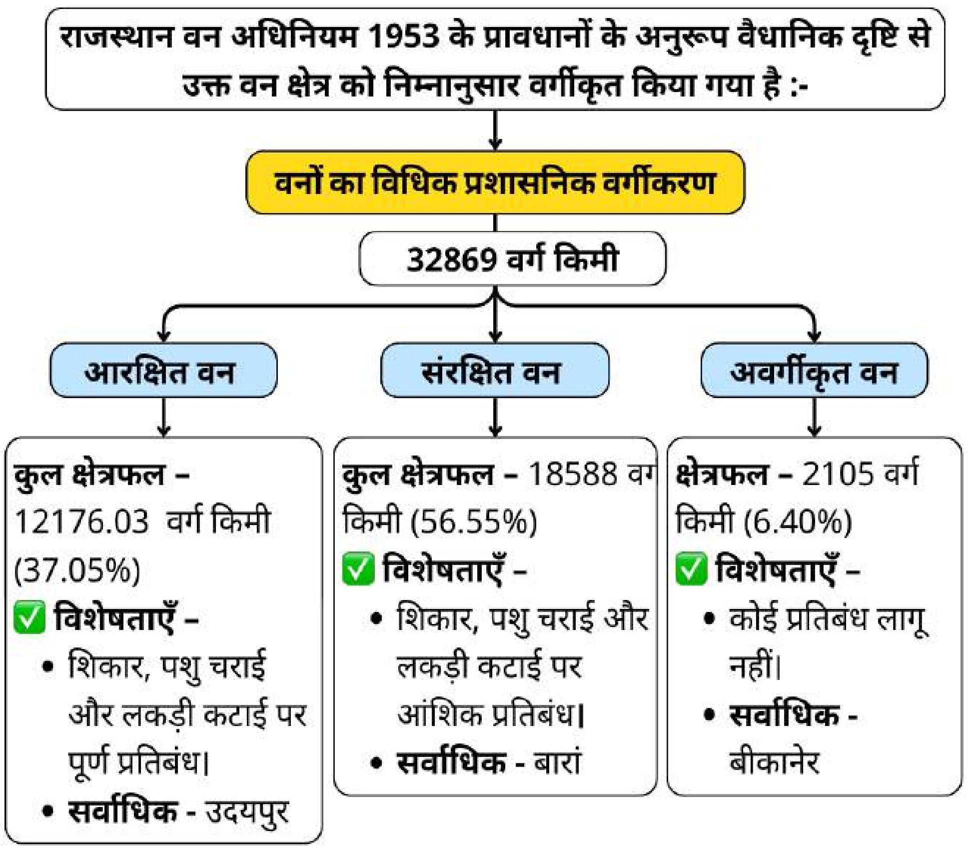

(5) मृदा

1. सूची I को सूची II से सुमेलित करें और नीचे दिए गए कूट का उपयोग करके सही उत्तर चुनें:

सूची-I
(मिट्टी)

(A) लाल दोमट मिट्टी
(B) भूरी रेतीली मिट्टी
(C) लाल-पीली मिट्टी
(D) जलोढ़ मिट्टी

सूची-II
(शामिल जिले)

(i) बांसवाड़ा, डूंगरपुर, प्रतापगढ़, उदयपुर
(ii) पाली, नागौर, जालौर, सीकर, झुंझुनू
(iii) सवाई माधोपुर, सिरोही, राजसमंद, उदयपुर
(iv) गंगानगर, हनुमानगढ़, अलवर, भरतपुर

कूट:

	A	B	C	D
(1)	(ii)	(i)	(iv)	(iii)
(2)	(i)	(ii)	(iii)	(iv)
(3)	(iv)	(iii)	(ii)	(i)
(4)	(iii)	(ii)	(iv)	(i)

उत्तर: (2)

व्याख्या:

सूची-I (मिट्टी)	सूची-II (शामिल जिले)
लाल दोमट मिट्टी	बांसवाड़ा, डूंगरपुर, प्रतापगढ़, उदयपुर
भूरी रेतीली मिट्टी	पाली, नागौर, जालौर, सीकर, झुंझुनू
लाल-पीली मिट्टी	सवाई माधोपुर, सिरोही, राजसमंद, उदयपुर
जलोढ़ मिट्टी	गंगानगर, हनुमानगढ़, अलवर, भरतपुर

अतिरिक्त जानकारी

भूरी रेतीली मृदा -
- ❖ यह लूनी बेसिन में बलुआ पत्थर से निर्मित है।
- ❖ **विस्तार** - पाली, नागौर, जालौर, सीकर, झुंझुनू
- ❖ फॉस्फेट की प्रचुरता

लाल-पीली मृदा –
- ❖ यह मिट्टी सवाई माधोपुर, सिरोही, राजसमंद, उदयपुर और भीलवाड़ा जिलों के पश्चिमी भागों में पाई जाती है।
- ❖ **विशेषताएँ–**
  - ➢ यह मिट्टी मूंगफली और कपास की खेती के लिए उपयुक्त है।
  - ➢ इस मिट्टी में उपजाऊ तत्वों की कमी है।
  - ➢ यह ग्रेनाइट, शिस्ट और नीस चट्टानों के विघटित पदार्थों से बनी है।
  - ➢ इसमें कैल्शियम और नाइट्रोजन की कमी है।
  - ➢ इस मिट्टी का लाल और पीला रंग इसमें मौजूद लौह तत्व के कारण है।

लाल दोमट मृदा -
- ❖ **विस्तार** -बांसवाड़ा, डूंगरपुर, प्रतापगढ़, उदयपुर, चित्तौड़गढ़ के कुछ हिस्से। आयरन ऑक्साइड की उपस्थिति के कारण रंग लाल होता है।

जलोढ़ मृदा -
- ❖ यह मिट्टी राज्य के उत्तरी और पूर्वी जिलों गंगानगर, हनुमानगढ़, अलवर, भरतपुर, धौलपुर, करौली, सवाई माधोपुर, दौसा, जयपुर और टोंक में पाई जाती है।
- ❖ **विशेषताएँ–**
  - ➢ इसका रंग हल्का भूरा लाल है।
  - ➢ यह बलुई दोमट मिट्टी है।
  - ➢ यह उपजाऊ मिट्टी है।
  - ➢ इसमें कैल्शियम, फास्फोरस, पोटाश और आयरन की मात्रा अधिक होती है लेकिन नाइट्रोजन की कमी होती है।
  - ➢ यह मिट्टी गेहूं, सरसों, कपास और तंबाकू उगाने के लिए उपयुक्त है।

2. निम्नलिखित में से कौन सा युग्म (मृदा का प्रकार-जिला) सही सुमेलित है?

(1) वर्टिसोल (a) बारां
(2) इन्सेप्टिसोल (b) सीकर
(3) अल्फिसोल (c) जैसलमेर
(4) एंटिसोल (d) बाँसवाड़ा
(5) अनुत्तरित प्रश्न

उत्तर (1)

व्याख्या:

मिट्टी का प्रकार	जिला
वर्टिसोल	कोटा-बूंदी, बारां और झालावाड़ में विस्तारित।
इन्सेप्टिसोल	इन्सेप्टिसोल मिट्टी दक्षिणी राजस्थान जैसे उदयपुर, बांसवाड़ा, डूंगरपुर, प्रतापगढ़ आदि में पाई जाती है, सीकर में नहीं।
अल्फिसोल	अल्फिसोल मिट्टी पूर्वी राजस्थान (अलवर, भरतपुर, धौलपुर आदि) में पाई जाती है, जैसलमेर में नहीं।

(6) कृषि

1. राजस्थान का कौन सा कृषि जलवायु प्रदेश निम्नलिखित विशिष्टताएँ रखता है ?
(i) कुल क्षेत्रफल - 2.10 मिलियन हैक्टेयर
(ii) औसत वर्षा - 100-350 मि.मी.
(iii) रबी फसलें – गेहूँ, सरसों, चना
(iv) खरीफ फसलें - कपास, ग्वार
सही विकल्प का चयन कीजिए –
(1) सिंचित उत्तरी-पश्चिमी मैदान
(2) बाढ़ प्रभावित पूर्वी मैदान
(3) आर्द्र दक्षिणी मैदान
(4) उप-आर्द्र दक्षिणी मैदान
(5) अनुत्तरित प्रश्न

उत्तर (1)
व्याख्या:

क्षेत्र का नाम	**शामिल जिले**	**प्रमुख फसलें**	
		(खरीफ)	**(रबी)**
सिंचित उत्तर पश्चिमी मैदान (I-B) (वर्षा 10-40 सेमी) (100-350 मि.मी.)	श्रीगंगानगर और हनुमानगढ़	कपास और ग्वार	गेहूं, सरसों और चना
बाढ़ प्रवण पूर्वी मैदान (III-बी) (वर्षा 60-70 सेमी)	अलवर, डीग, भरतपुर, धौलपुर, करोली और सवाई माधोपुर	बाजरा, ग्वार और मूंगफली	गेहूं, जौ, सरसों और चना
उप-आर्द्र दक्षिणी मैदान (IV-A (वर्षा- 70-90 सेमी)	उदयपुर, चित्तौड़गढ़ (बड़ी सादड़ी तहसील को छोड़कर), राजसमंद, भीलवाड़ा और सिरोही का हिस्सा (पिंडवाड़ा और आबू रोड तहसील)	मक्का, दालें और ज्वार	गेहूं और चना
आर्द्र दक्षिणी मैदान (IV-B) (वर्षा 90-100 सेमी)	बांसवाड़ा, डूंगरपुर, प्रतापगढ़, सलूंबर (बड़ी सादरी तहसील) और चित्तौड़गढ़ के कुछ भाग	मक्का, धान, ज्वार और काला चना	गेहूं और चना
आर्द्र दक्षिण पूर्वी मैदान (V) (वर्षा 70-100 सेमी)	कोटा, बारां, बूंदी और झालावाड़	ज्वार और सोयाबीन	गेहूं और सरसों

2. निम्नलिखित में से कौन सा युग्म सही नहीं है?

फसलें		**राजस्थान की स्थिति**
(A)	बाजरा	(i) प्रथम
(B)	मूंगफली	(ii) द्वितीय
(C)	रेपसीड और सरसों	(iii) द्वितीय
(D)	सोयाबीन	(iv) तृतीय

कूट:
(1) (D)
(2) (A)
(3) (B)
(4) (C)
(5) अनुत्तरित प्रश्न

उत्तर (4)
व्याख्या:

फसल	**स्थान**			
	प्रथम	**द्वितीय**	**तृतीय**	**योगदान (%)**
सरसों एवं राई	राजस्थान	मध्य प्रदेश	उत्तर प्रदेश	43.43
बाजरा	राजस्थान	उत्तर प्रदेश	गुजरात	41.34
कुल तिलहन	राजस्थान	मध्य प्रदेश	गुजरात	23.61
पोषक अनाज (न्यूट्री-सीरियल्स)	राजस्थान	कर्नाटक	उत्तर प्रदेश	14.21
ग्वार	राजस्थान	हरियाणा	गुजरात	88.80
मूंगफली	गुजरात	राजस्थान	मध्य प्रदेश	19.91
ज्वार	महाराष्ट्र	कर्नाटक	राजस्थान	----
चना	मध्य प्रदेश	महाराष्ट्र	राजस्थान	17.39
कुल दलहन	मध्य प्रदेश	महाराष्ट्र	राजस्थान	13.76
सोयाबीन	मध्य प्रदेश	महाराष्ट्र	राजस्थान	8.96

3. निम्नलिखित में से किस कृषि जलवायु क्षेत्र में बाजरा बोया जाता है?
(A) आर्द्र दक्षिण-पूर्वी मैदान
(B) आर्द्र दक्षिणी मैदान
(C) उप आर्द्र दक्षिणी मैदान
(D) अर्द्ध शुष्क पूर्वी मैदान
कूट:-

(7) पशुधन

1. 20 वीं पशुगणना (2019) के अनुसार, राजस्थान निम्नलिखित में से कौनसे पशुधन समूह में देश में प्रथम स्थान रखता है ?
   (1) भेड़, बकरी और घोड़े
   (2) गोवंश, भेड़ और गधे
   (3) बकरी, भेड़ और ऊँट
   (4) बकरी, ऊँट और गधे
   (5) अनुत्तरित प्रश्न

उत्तर - (4)

व्याख्या:

20वीं पशुधन जनगणना - 2019
देश में पशुधन जिनकी सर्वाधिक संख्या राजस्थान में है। ❖ **ऊंट - 84.43%** ❖ **गधा - 18.91 %** ❖ **बकरी - 14.00%**
राजस्थान में पशुधन की सबसे अधिक आबादी ❖ **बकरी - 36.70% (सर्वाधिक)** ❖ **गाय - 27.47 %** ❖ **भैंस - 24.10%** ❖ **भेड़ - 13.9%**
• **पशुधन जनगणना-2019** के अनुसार, राज्य में कुल पशुधन की संख्या 568.01 लाख और **मुर्गी पालन की संख्या** 146.23 लाख थी।

2. निम्नलिखित में से कौनसे पशुधन की संख्या में 20 वीं पशुगणना 2019, के अनुसार **गिरावट नहीं देखी गई** है?
   (1) सूअर
   (2) ऊँट
   (3) बकरी
   (4) गाय
   (5) अनुत्तरित प्रश्न

उत्तर - (4)

व्याख्या:

सर्वाधिक वृद्धि वाले पशुधन (पशुधन जिनमें गिरावट नहीं हुई है)	
प्रतिशत में	**संख्या में**
❖ मवेशी (गाय) - 4.60 % ❖ भैंस - 5.53%	❖ मवेशी (गाय) ❖ भैंस
पशुधन जिनमें सर्वाधिक गिरावट देखी गई	
प्रतिशत में	**संख्या में**
❖ गधा - 71.31 % ❖ खच्चर - 60.33 % ❖ सूअर - 34.87 % ❖ ऊंट - 34.69% ❖ भेड़ - 12.35 %	❖ भेड़ ❖ बकरी ❖ ऊंट ❖ सुअर ❖ गधा

3. पशुगणना–2019 के अनुसार राजस्थान में देश के कुल पशुधन का ____ भाग था।
   (1) 7.23%
   (2) 12.47%
   (3) 10.60%
   (4) 14.00%
   (5) अनुत्तरित प्रश्न

उत्तर - (3)

व्याख्या:

- ❖ देश के कुल पशुधन का लगभग 10.60% हिस्सा राजस्थान में है।
- ❖ देश के कुल पशुधन का लगभग 7.24% मवेशी, 12.47% भैंस, 14.00% बकरी, 10.64% भेड़ और 84.43% ऊंट राजस्थान में हैं।
- ❖ वर्ष 2022-23 में राज्य ने देश के कुल दूध उत्पादन में 14.44% और ऊन उत्पादन में 47.98% का योगदान दिया।
- ❖ राज्य के सकल मूल्यवर्धन में पशुधन का योगदान 12.59% है।
- ❖ स्थिर (2011-12) कीमतों पर, कृषि और संबद्ध क्षेत्र में पशुधन का योगदान 5.43% है।
- ❖ वर्तमान (2024-25) कीमतों पर, कृषि और संबद्ध क्षेत्र में पशुधन का योगदान 46.77% है।

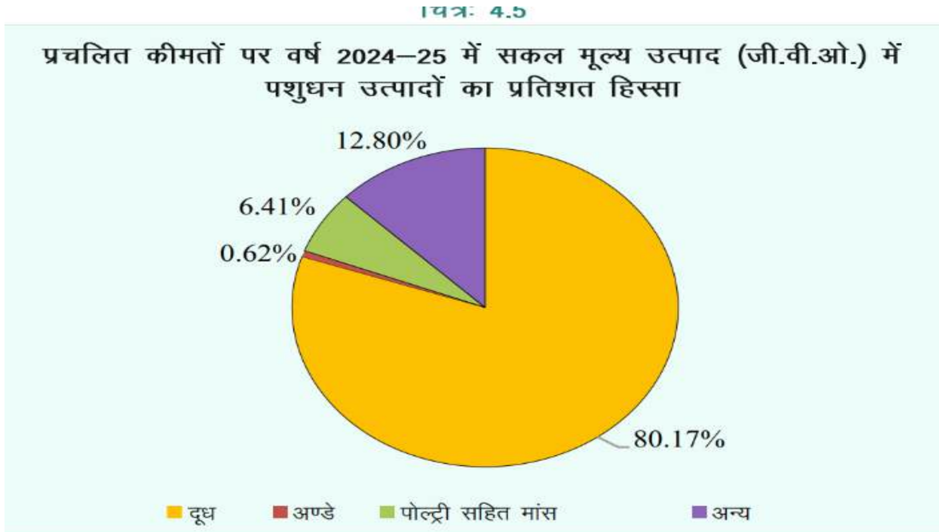

4. सोनाड़ी नस्ल की भेड़ें राजस्थान के किस जिले में पाई जाती हैं?
   (1) पाली
   (2) नागौर
   (3) सिरोही
   (4) उदयपुर
   (5) अनुत्तरित प्रश्न

(8) सिंचाई

1. निम्नाँकित कथनों पर विचार कीजिए:
   (A) चम्बल परियोजना राजस्थान व मध्य प्रदेश की संयुक्त परियोजना है।
   (B) चम्बल परियोजना का वित्तपोषण पैटर्न प्रत्येक राज्य के लिए 50% है।
   उपरोक्त में से कौनसा/कौनसे कथन सही है/हैं ?
   (1) केवल (A) सही है।
   (2) केवल (B) सही है।
   (3) (A) एवं (B दोनों सही हैं।
   (4) न तो (A) न ही (B) सही हैं।
   (5) अनुत्तरित प्रश्न

उत्तर - (3)

व्याख्या:-

कथन	**संक्षिप्त व्याख्या**
(A) ✅	यह चंबल नदी पर राजस्थान और मध्य प्रदेश की एक संयुक्त बहुउद्देशीय परियोजना है।
(B) ✅	चम्बल परियोजना का वित्तपोषण पैटर्न प्रत्येक राज्य के लिए 50% है।

अतिरिक्त जानकारी

चंबल बहुउद्देशीय परियोजना:-

- ❖ यह **राजस्थान व मध्य प्रदेश** की संयुक्त परियोजना है, **जिसमे** दोनों राज्यों की भागीदारी **50%** है।
- ❖ इस परियोजना के अंतर्गत चार बांधों का निर्माण किया गया है। **पहले चरण में गांधी सागर और कोटा बैराज का निर्माण किया गया, जबकि दूसरे चरण में चित्तौड़ में राणा प्रताप सागर और तीसरे चरण में जवाहर सागर का निर्माण** किया गया।
- ❖ इस परियोजना के माध्यम से 4.5 लाख हेक्टेयर भूमि की सिंचाई की जाती है। इससे मुख्य रूप से राजस्थान और मध्य प्रदेश के कोटा, बूंदी और बारां जिलों में सिंचाई की सुविधा उपलब्ध हुई है।
- ❖ **इस परियोजना से राज्य को 193 मेगावाट (50%) बिजली प्राप्त होती है।**

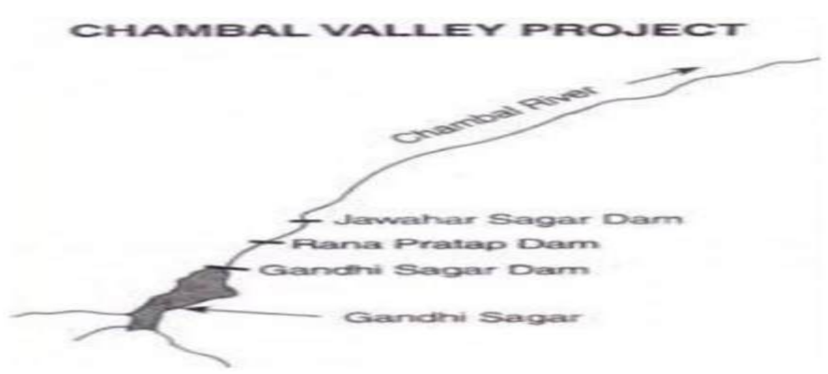

2. निम्नलिखित में से चम्बल लिफ्ट नहरों की पहचान करें:-
   (A) दीगोद लिफ्ट नहर (कोटा)
   (B) सोरखंड लिफ्ट नहर (बारां)
   (C) कचारी लिफ्ट नहर (बारां)
   (D) जलीपुरा लिफ्ट नहर (कोटा)
   (E) पंचनेल लिफ्ट नहर (बारां)
   नीचे दिये गये कूट का प्रयोग कर सही उत्तर का चयन कीजिए :
   (1) (A), (B), (C), (E)
   (2) (A), (B), (C), (D), (E)
   (3) (C), (D), (E)
   (4) (A), (B), (D)
   (5) अनुत्तरित प्रश्न

उत्तर (2)

व्याख्या:-

चम्बल लिफ्ट परियोजनाओं की नहरें

ज़िला	**लिफ्ट नहर**
कोटा	• दीगोद • जालीपुरा
बारां	• सोरखण्ड • पचेनेल • कछारी • गणेशगंज • अन्ता • अंता लिफ्ट माइनर

अतिरिक्त जानकारी

चंबल परियोजना की नहरें : इस परियोजना में **दो मुख्य नहरें** कोटा बैराज से निकाली गई है -

- ❖ **1.बाई मुख्य नहर:** इसकी लंबाई 259 किलोमीटर है। इससे कोटा जिले की लाडपुरा तहसील और बूंदी जिले की केशोरायपाटन, बूंदी और इंद्रगढ़ तहसीलों में सिंचाई की सुविधा उपलब्ध हुई है।
- ❖ **2.दाई मुख्य नहर:** राजस्थान में इसकी लंबाई 124 किलोमीटर है। इसने कोटा जिले की लाडपुरा, दिगोद और पिपलदा तहसीलों और बारां जिले की अंता और मांगरोल तहसीलों में सिंचाई की सुविधा प्रदान की है।
- ❖ **चंबल लिफ्ट परियोजनाएँ:** चंबल नदी के प्रवाह क्षेत्र में न आने वाले क्षेत्रों में सिंचाई सुविधाएं प्रदान करने के लिए, चंबल नदी दाई मुख्य नहर से 8 लिफ्ट योजनाएं बनाई गई हैं।

(9) जनसंख्या -वृद्धि, घनत्व, साक्षरता, लिंगानुपात

1. जनगणना 2011 के अनुसार राजस्थान के न्यूनतम जनसंख्या वाले जिलों को आरोही क्रम में व्यवस्थित करें-
   (1) राजसमंद, बूंदी, सिरोही, प्रतापगढ़, जैसलमेर
   (2) जैसलमेर, प्रतापगढ़, सिरोही, बूंदी, राजसमंद
   (3) जयपुर, जोधपुर, अलवर, नागौर, उदयपुर
   (4) उदयपुर, नागौर, अलवर, जोधपुर, जयपुर
   (5) अनुत्तरित प्रश्न

उत्तर - (2)

व्याख्या:-

राजस्थान की जनसंख्या	
अधिकतम	**न्यूनतम**
• जयपुर - 66.26लाख • जोधपुर - 36.87 लाख • अलवर - 36.74 लाख • नागौर - 33.07 लाख • उदयपुर- 30.68 लाख	• जैसलमेर - 6.70 लाख • प्रतापगढ़ - 8.68 लाख • सिरोही - 10.36 लाख • बूँदी - 11.11 लाख • राजसमंद - 11.57 लाख

2. जनगणना-2011 के अनुसार राजस्थान में न्यूनतम और अधिकतम पुरुष जनसंख्या वाले जिलों के युग्म की पहचान करें-
   (1) प्रतापगढ़ और अलवर
   (2) जयपुर और जैसलमेर
   (3) अलवर और प्रतापगढ़
   (4) जैसलमेर और जयपुर
   (5) अनुत्तरित प्रश्न

उत्तर - (4)

व्याख्या:-

न्यूनतम पुरुष जनसंख्या वाले जिले	
जिले	**जनसंख्या**
• जैसलमेर	• 3.62 लाख
• प्रतापगढ़	• 4.38 लाख
• सिरोही	• 5.34 लाख
• बूंदी	• 5.77 लाख
• राजसमंद	• 5.81 लाख

अधिकतम पुरुष जनसंख्या वाले जिले	
जिले	**जनसंख्या**
• जयपुर	• 34.69 लाख
• जोधपुर	• 19.39 लाख
• अलवर	• 19.24 लाख
• नागौर	• 17.96 लाख
• उदयपुर	• 15.67 लाख

3. निम्नलिखित में से कौनसे जिलों में 2001-2011 के दौरान 30% से अधिक जनसंख्या वृद्धि दर दर्ज की गई?
   (A) बाड़मेर
   (B) जैसलमेर
   (C) बांसवाड़ा
   नीचे दिए गए कूट से सही उत्तर का चयन करें:
   (1) केवल (A)
   (2) केवल (A) व (B)
   (3) केवल (B) व (C)
   (4) (A), (B) व (C)
   (5) अनुत्तरित प्रश्न

उत्तर - (2)

व्याख्या:-

❖ वर्ष 2001-2011 के दौरान जिन जिलों में जनसंख्या वृद्धि 30% से अधिक दर्ज की गई, **उनमें बाड़मेर में 32.5% और जैसलमेर में 31.8% शामिल हैं।**

अतिरिक्त जानकारी	
सर्वाधिक जनसंख्या वृद्धि दर वाले ज़िले	**न्यूनतम जनसंख्या वृद्धि दर वाले ज़िले**
• 1. बाड़मेर - 32.5% • 2. जैसलमेर - 31.8% • 3. जोधपुर - 27.7% • 4.बांसवाड़ा - 26.58%	• 1.श्री गंगानगर - 10% • 2.झुंझुनू - 11.7% • 3. पाली - 11.9% • 4. बूंदी - 15.4%

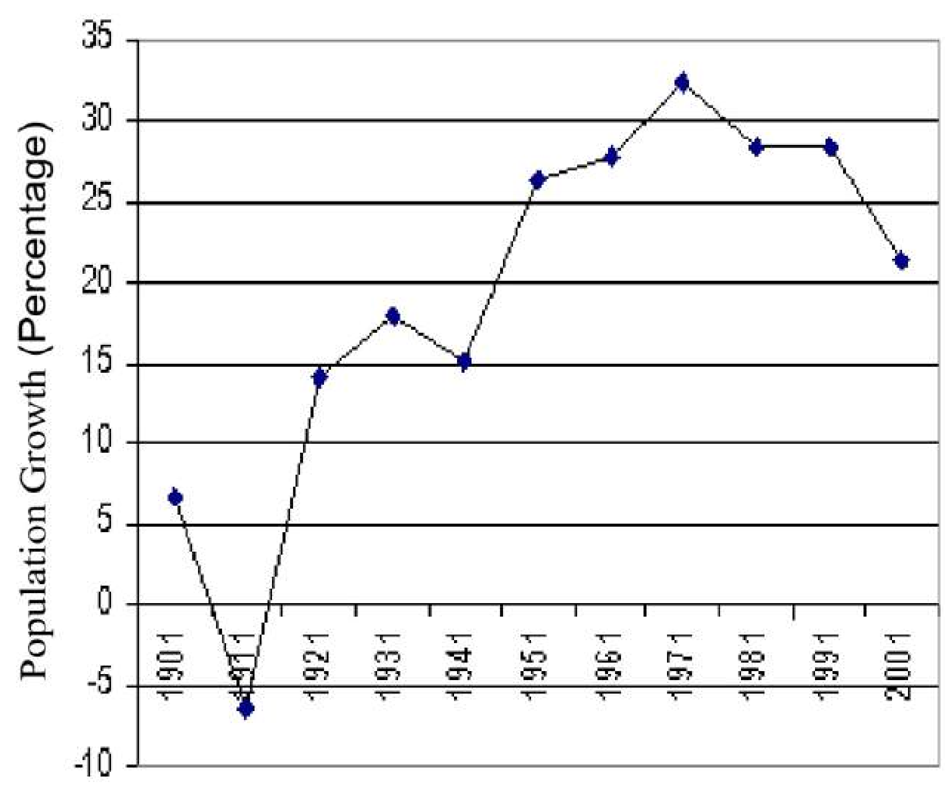

(10) शहरीकरण

1. जनगणना-2011 के अनुसार, राजस्थान में शहरी जनसंख्या के संबंध में **असत्य** कथनों का चयन कीजियेः-
   (A) राजस्थान की शहरी जनसंख्या का प्रतिशत राष्ट्रीय औसत शहरी जनसंख्या से अधिक है।
   (B) 2001 से 2011 तक राजस्थान की शहरी जनसंख्या में भारी कमी देखी गई।
   (C) राजस्थान में कोटा और जयपुर जिलों में शहरी आबादी का प्रतिशत सबसे अधिक है।
   (D) राजस्थान के डूंगरपुर और बाड़मेर जिलों में शहरी आबादी का प्रतिशत सबसे कम है।
   नीचे दिये गये कूट का प्रयोग कर सही उत्तर का चयन कीजिए :
   (1) केवल (C) और (D)
   (2) केवल (A), (C) और (D)
   (3) केवल (A) और (B)
   (4) केवल (B) और (D)
   (5) अनुत्तरित प्रश्न

उत्तर - (3)

व्याख्या

कथन	संक्षिप्त व्याख्या
(A) ❌	जनगणना-2011 के अनुसार भारत में शहरी जनसंख्या का प्रतिशत 31.14 तथा राजस्थान में शहरी जनसंख्या का प्रतिशत 24.87 है। राजस्थान की शहरी जनसंख्या का प्रतिशत राष्ट्रीय औसत शहरी जनसंख्या से कम है। अतः कथन असत्य है
(B) ❌	राज्य की कुल **जनसंख्या में शहरी जनसंख्या का प्रतिशत 2001 में** 23.39 **प्रतिशत से बढ़कर 2011 में 24.87 प्रतिशत हो गया। व 2001 से 2011 तक वृद्धि देखी गई है, जो निरंतर जारी है अतः यह कथन ग़लत है**
(C) ✅	राजस्थान में कोटा (60.31%) और जयपुर (52.40%) जिलों में शहरी आबादी का प्रतिशत सबसे अधिक है।
(A) ✅	राजस्थान के डूंगरपुर (6.39%) और बाड़मेर (6.98%) जिलों में शहरी आबादी का प्रतिशत सबसे कम है।

आर्थिक सर्वेक्षण 2024-25 के अनुसार राजस्थान की शहरी जनसंख्या	
अधिकतम	**न्यूनतम**
• **कोटा - 60.31%** • **जयपुर - 52.40 %** • **अजमेर- 40.08 %** • **जोधपुर- 34.30 %** • **बीकानेर - 33.86 %**	• **डूंगरपुर - 6.39 %** • **बाड़मेर - 6.98%** • **बाँसवाड़ा - 7.10 %** • **प्रतापगढ़ - 8.27 %** • **जालौर - 8.30 %**

राजस्थान एवं भारत में नगरीय जनसंख्या (%)		
वर्ष	**भारत (%)**	**राजस्थान (%)**
1961	17.97	16.28
2001	27.81	23.39
2011	31.14	24.87
2021	34.43	26.33

2. 2011 की जनगणना के अनुसार, राजस्थान के कौनसे जिलों के युग्म में ग्रामीण और शहरी लिंगानुपात सबसे कम दर्ज किया गया है

ग्रामीण	**शहरी**
(1) धौलपुर	(i) जैसलमेर
(2) सीकर	(ii) प्रतापगढ़
(3) भीलवाड़ा	(iii) डूंगरपुर
(4) नागौर	(iv) जोधपुर
(5) अनुत्तरित प्रश्न	

उत्तर - (1)

व्याख्या:

ग्रामीण क्षेत्र लिंगानुपात	
अधिकतम	**न्यूनतम**
• पाली - 1003 • राजसमंद -998 • डूंगरपुर -996	• धौलपुर -841 • करौली -856 • जैसलमेर-859
शहरी लिंगानुपात	
अधिकतम	**न्यूनतम**
• टोंक-985 • बाँसवाड़ा -964 • प्रतापगढ़ -963 • डूंगरपुर - 951 • राजसमंद - 948	• जैसलमेर-807 • धौलपुर -864 • अलवर -872 • गंगानगर -878 • भरतपुर - 887

3. जनगणना- 2011 के अनुसार <u>**राजस्थान व भारत**</u> का शहरी जनसंख्या प्रतिशत क्रमशः है -
   (1) 24.87% व 31.14 %
   (2) 31.14 % व 24.87%
   (3) 23.39 % व 27.81 %
   (4) 27.81 % व 23.39 %

(11) जनजाति

1. जनगणना-2011 के अनुसार राजस्थान में अनुसूचित जनजाति के संबंध में कितने कथन **गलत** हैं?
   (A) उदयपुर और बांसवाड़ा जिलों में अनुसूचित जनजातियों की संख्या सबसे अधिक है।
   (B) धौलपुर और दौसा जिलों में अनुसूचित जनजातियों की संख्या न्यूनतम है।
   (C) बांसवाड़ा और डूंगरपुर जिलों में अनुसूचित जनजातियों का प्रतिशत सबसे अधिक है।
   (D) जनगणना 2011 के अनुसार अनुसूचित जनजातियों में लिंगानुपात 948 है।
   नीचे दिये गये कूट का प्रयोग कर सही उत्तर का चयन कीजिए :
   (1) तीन
   (2) दो
   (3) चार
   (4) एक
   (5) अनुत्तरित प्रश्न

उत्तर - (4)

व्याख्या

(A) ✅	उदयपुर और बांसवाड़ा व डूँगरपुर जिलों में अनुसूचित जनजातियों की संख्या सबसे अधिक है।
(B) ❌	**अनुसूचित जनजातियों की न्यूनतम संख्या: बीकानेर, नागौर, चूरू।**धौलपुर और दौसा में नहीं अतः ये कथन ग़लत है
(C) ✅	बांसवाड़ा- **76.4%**और डूंगरपुर- **70.8%**जिलों में अनुसूचित जनजातियों का प्रतिशत सबसे अधिक है।
(D) ✅	जनगणना 2011 के अनुसार अनुसूचित जनजातियों में लिंगानुपात 948 है।

अनुसूचित जनजातियों की अधिकतम संख्या	**अनुसूचित जनजातियों की न्यूनतम संख्या**
• उदयपुर • बाँसवाड़ा • डूँगरपुर	• बीकानेर • नागौर • चूरू
अनुसूचित जनजातियों की अधिकतम प्रतिशत आबादी वाले जिले	**अनुसूचित जनजातियों की न्यूनतम प्रतिशत आबादी वाले जिले**
• बाँसवाड़ा -76.4% • डूंगरपुर - 70.8%	• बीकानेर -0.3% • नागौर -0.3%
अनुसूचित जनजातियों में लिंगानुपात- 948	

2. राजस्थान में जनजातियों के संबंध में के संबंध में निम्नाँकित कथनों पर विचार कर **सत्य कथनों** का चयन कीजिए:
   (A) गरासिया जनजाति सिरोही के आबू रोड और पिंडवाड़ा तहसील, पाली जिले के बाली तथा उदयपुर के गोगुन्दा और कोटड़ा तहसील में निवास करती है।
   (B) डामोर जनजाति मुख्यतः डूंगरपुर, बांसवाड़ा और उदयपुर प्रतापगढ़ जिलों में निवास करती है।
   नीचे दिये गये कूट का प्रयोग कर सही उत्तर का चयन कीजिए
   (1) केवल (A) सही है।
   (2) केवल (B) सही है।
   (3) (A) एवं (B दोनों सही हैं।
   (4) न तो (A) न ही (B) सही हैं।
   (5) अनुत्तरित प्रश्

उत्तर (3)

व्याख्या:

कथन	**संक्षिप्त व्याख्या**
(A) ✅	गरासिया जनजाति मुख्य रूप से राजस्थान के दक्षिणी जिलों में पाई जाती है, विशेष रूप से सिरोही की आबू रोड और पिंडवारा तहसील, पाली जिले की बाली और उदयपुर की गोगुंदा और कोटड़ा तहसील में।
(B) ✅	डामोर जनजाति मुख्य रूप से राजस्थान के दक्षिणी और दक्षिणपूर्वी जिलों में निवास करती है, जिनमें डूंगरपुर, बांसवाड़ा, उदयपुर और प्रतापगढ़ शामिल हैं।

अतिरिक्त जानकारी

गरासिया जनजाति के कई उपसमूह हैं जो भौगोलिक और सांस्कृतिक विविधताओं पर आधारित हैं। इनमें शामिल हैं:

- **राजपूत गरासिया:** राजपूतों से वंशज होने का दावा करते हैं।
- **भोपा गरासिया:** सामुदायिक अनुष्ठानों में अपनी पुरोहितीय भूमिकाओं के लिए जाने जाते हैं।
- जनजाति को दो भागों में बांटा गया है:
  1. भील गरासिया
  2. गमेती गरासिया

डामोर जनजाति पितृसत्तात्मक सामाजिक व्यवस्था का पालन करती है।

- वे कुलों में संगठित हैं, और एक ही कुल में विवाह करना सख्त वर्जित है (बहिर्विवाह)।
- उनकी पारंपरिक शासन प्रणाली में समुदाय के बुजुर्ग शामिल हैं जो विवादों को सुलझाते हैं और सामाजिक सद्भाव बनाए रखते हैं।
- डामोर लोग वन या पहाड़ी क्षेत्रों में स्थित छोटे, छितरे हुए गांवों या बस्तियों में रहते हैं।

(12) खनिज - धात्विक व अधात्विक

1. निम्नलिखित में से अधात्विक खनिजों वाले विकल्प का चयन करें।
   (A) वोलेस्टोनाइट
   (B) टंगस्टन
   (C) एस्बेस्टस
   (D) फेल्सपॉर
   (E) बेंटोनाइट

   नीचे दिये गये कूट का प्रयोग कर सही उत्तर का चयन कीजिए :
   (1) (A), (B), (C)
   (2) (C), (D), (E)
   (3) (A), (C), (D), (E)
   (4) (B), (C), (D)
   (5) अनुत्तरित प्रश्न

उत्तर - (3)

व्याख्या:

खनिजों का वर्गीकरण	
धात्विक खनिज	लोहा, चांदी, टंगस्टन, मैंगनीज आदि
अधात्विक खनिज	एस्बेस्टस, वोलेस्टोनाइट, फेल्सस्पार, बॉलक्ले, जिप्सम, रॉक फॉस्फेट, बेंटोनाइट, संगमरमर, अभ्रक आदि
लौह धातुएँ	लोहा, मैंगनीज, क्रोमियम
अलौह धातु	तांबा, एल्यूमीनियम, सीसा-जस्ता, टिन, चांदी
ईंधन खनिज	कोयला, लिग्नाइट, पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस
परमाणु खनिज	लिथियम, यूरेनियम, बेरिलियम, थोरियम, ग्रेफाइट

2. सूची-I को सूची-II से मेल कीजिए और नीचे दिए गए कूट में से सही उत्तर का चयन कीजिए:

सूची - I (खनिज)	सूची - II (खनन क्षेत्र)
(A) ताँबा	(i) रायसेला
(B) सीसा और जस्ता	(ii) कालाखूँटा
(C) मैंगनीज	(iii) कोलिहान
(D) लौह -अयस्क	(iv) राजपुरा-दरीबा

	(A)	(B)	(C)	(D)
(1)	(iii)	(iv)	(ii)	(i)
(2)	(i)	(ii)	(iii)	(iv)
(3)	(iv)	(iii)	(ii)	(i)
(4)	(i)	(ii)	(iv)	(iii)

   (5) अनुत्तरित प्रश्न

उत्तर - (1)

व्याख्या:

सूची - I (खनिज)	सूची - II (खनन क्षेत्र)
ताँबा	कोलिहान
सीसा और जस्ता	राजपुरा-दरीबा
मैंगनीज	कालाखूँटा
लौह -अयस्क	रायसेला

अतिरिक्त जानकारी

ताँबा -

❖ यह अलौह धातु है। यह मुख्य रूप से आग्नेय और रूपांतरित चट्टानों की शिराओं में पाई जाती है।

❖ तांबा अयस्क: क्यूप्राइट, चाल्कोपाइराइट

➢ **झुंझुनू**:- खेतड़ी - सिंघाना, मंधान, (अधिकतम जमाव), चांदमारी, कोलिहान, बबाई, ढोलमाला, चिचोरी, सतकुई, सुरहरि, अखवाली, बरखेड़ा

➢ **सीकर**:- रघुनाथपुरा, टोडा - रामलियास (नीम का थाना) (बन्नो की ढाणी)

➢ **अलवर** - खो - दरीबा, कुशलगढ़, भगोनी, सेनपुरी, भगत

➢ **उदयपुर** - अंजनी - उमरा, बेडावल, छानी, नंदबेल, अकोला, देबारी, देलवाड़ा- केरावली, चारी-मानपुरा

➢ **चूरू** - (बीदासर) खेड़ा

➢ **सिरोही** - देलवाड़ा - किरोवाली, गोलिया, पेपेला, बसंतगढ़, दारी

➢ **राजसमंद** - रेलमगरा, मजेरा, गोपालपुरा।

➢ **भीलवाड़ा**- देवतलाई, पुर -देवपुरा, बनेड़ा।

➢ **अजमेर** - हनैतिया, तारागढ़, चैनपुरा, गाफा

➢ **चित्तौड़गढ़** - भागल, बारी, अकोला

सीसा-जस्ता:-

❖ यह मिश्रित अयस्क गैलेना से निकाला जाता है। इसके अलावा कैलामाइन, जिंकाइट और विलेमाइट मुख्य अयस्क हैं।

❖ **जस्ता**- गैलेना, पायरोटाइट

❖ सीसा और जस्ता के भंडार आर्कियन और प्रोटेरोजोइक चट्टानों में पाए जाते हैं।

➢ **उदयपुर** - जावर - देबारी, मोचिया मगरा

➢ **राजसमंद** - राजपुरा दरीबा, रेलमगरा, सिन्देसर-खुर्द

(13) पर्यटन

1. राजस्थान में पर्यटन क्षेत्र के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार करें:
   (A) मोहम्मद यूनुस समिति की सिफारिश पर 4 मार्च 1989 को पर्यटन को उद्योग का दर्जा दिया गया।
   (B) 2004-05 में पर्यटन को "जन उद्योग" का दर्जा दिया गया।

   उपरोक्त में से कौनसा/कौनसे कथन सही है/हैं ?
   (1) केवल (A) सही है।
   (2) केवल (B) सही है।
   (3) (A) एवं (B) दोनों सही हैं।
   (4) न तो (A) न ही (B) सही हैं।
   (5) अनुत्तरित प्रश्न

उत्तर- (3)

व्याख्या:-

कथन	**संक्षिप्त व्याख्या**
(A) ✅	मोहम्मद यूनुस समिति की सिफारिश पर 4 मार्च 1989 को पर्यटन को उद्योग का दर्जा दिया गया था।
(B) ✅	पर्यटन को 2004-05 में "जन उद्योग" का दर्जा दिया गया था।

अतिरिक्त जानकारी

- ❖ परिचय: मोहम्मद यूनुस समिति की सिफारिश पर 4 मार्च 1989 को पर्यटन को उद्योग का दर्जा दिया गया था।
- ❖ पर्यटन को 2004-05 में "जन उद्योग" का दर्जा दिया गया था।
- ❖ राजस्थान के सकल घरेलू उत्पाद (GDP) में पर्यटन क्षेत्र की भूमिका
- ❖ पर्यटन क्षेत्र राज्य के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में लगभग 12% का योगदान देता है।
- ❖ वर्ष 2024 में कुल 20.72 लाख विदेशी पर्यटकों का राजस्थान में आगमन हुआ।
- ❖ वर्ष 2024 में कुल 2,300.84 लाख घरेलू पर्यटकों का राजस्थान में आगमन हुआ।
- ❖ वर्ष 2024 में घरेलू पर्यटकों की संख्या में 28.50% और विदेशी पर्यटकों की संख्या में 21.92% की वृद्धि हुई।
- ❖ घरेलू और विदेशी पर्यटन के मामले में राजस्थान का देश में 5वां स्थान है ।

2. राजस्थान में पर्यटन सर्किट के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कर सही कथनों का चुनाव करे:
   (A) स्वर्णिम त्रिकोण में जयपुर, दिल्ली और आगरा का त्रिकोणीय जंक्शन शामिल है।
   (B) शेखावाटी सर्किट में सीकर, चूरू और नागौर शामिल हैं।
   (C) राजस्थान में बुद्ध सर्किट बैराठ (जयपुर, कोटपुतली-बहरोड़) से कोलवी (झालावाड़) तक फैला हुआ है।

   नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर चुनें:
   (1) केवल (A) और (B)
   (2) केवल (A) और (C)
   (3) केवल (A), (B) और (C)
   (4) केवल (B) और (C)
   (5) अनुत्तरित प्रश्न

उत्तर - (2)

व्याख्या:

कथन	**संक्षिप्त व्याख्या**
(A) ✅	स्वर्णिम त्रिकोण में जयपुर, दिल्ली और आगरा का त्रिकोणीय जंक्शन शामिल है।
(B) ❌	शेखावाटी सर्किट में सीकर, चूरू और नागौर शामिल हैं। यह कथन असत्य है क्यूंकि शेखावाटी सर्किट में चूरू, सीकर, झुंझुनू शामिल है
(C) ✅	राजस्थान में बुद्ध सर्किट बैराठ (जयपुर, कोटपुतली-बहरोड़) से कोलवी (झालावाड़) तक फैला हुआ है।

अतिरिक्त जानकारी

राजस्थान के पर्यटन सर्किट/केंद्र	
स्वर्णिम त्रिकोण	जयपुर, दिल्ली और आगरा को **स्वर्णिम त्रिकोण** कहा जाता है।
मरू त्रिकोण	बीकानेर, जैसलमेर, जोधपुर
शेखावाटी सर्किट	चूरू, सीकर, झुंझुनू
बुद्ध सर्किट	बैराठ (जयपुर, कोटपुतली-बहरोड़) से कोलवी (झालावाड़)
ट्राइबल सर्किट	बाँसवाड़ा, डूंगरपुर, उदयपुर, प्रतापगढ़
कृष्णा सर्किट	श्री नाथ जी (राजसमंद), खाटूश्यामजी (सीकर), गोविंद देवजी, गलताजी, कनक वृन्दावन (जयपुर)